# बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



# वाटिका में अवज्ञा

एक दुखद निर्णय, उसके परिणाम और परमेश्वर की देखभाल की कहानी।



# धोखे से भरा प्रश्न

सर्प बहुत चालाक था। वह हव्वा के पास आया और पूछा, ‘क्या सचमुच परमेश्वर ने कहा है कि तुम वाटिका के किसी भी वृक्ष का फल न खाना?’ जबकि परमेश्वर ने ऐसा नहीं कहा था।



# हव्वा ने आज्ञा याद की

हव्वा ने उत्तर दिया कि वे वाटिका के फलों को खा सकते हैं। केवल बीच के वृक्ष का फल उन्हें न खाना और न छूना था, क्योंकि ऐसा करने पर वे मरेंगे।



# सर्प ने परमेश्वर का विरोध किया

तब सर्प ने कहा, ‘तुम निश्चय नहीं मरोगे।’ उसने कहा कि फल खाने पर उनकी आँखें खुल जाएँगी और वे भले-बुरे का ज्ञान पाएँगे। वह चाहता था कि हव्वा परमेश्वर पर सन्देह करे।



# हव्वा ने निर्णय लिया

हव्वा ने देखा कि फल खाने में अच्छा, देखने में सुन्दर और बुद्धि पाने के लिए चाहने योग्य लगता है। परमेश्वर पर भरोसा करने के बजाय उसने फल तोड़ लिया।



# आदम ने भी खाया

हव्वा ने फल खाया और फिर आदम को दिया जो उसके साथ था। आदम ने भी खाया। दोनों ने परमेश्वर की आज्ञा न मानने का निर्णय लिया।



# उन्हें लज्जा हुई

अचानक उन्हें समझ आया कि वे नग्न हैं और उन्हें लज्जा हुई। उन्होंने अंजीर के पत्ते जोड़कर अपने लिए ढकने की वस्तुएँ बनाईं। जिस शान्ति का वे आनन्द लेते थे वह टूट गई।



# वे छिप गए

जब उन्होंने साँझ के समय परमेश्वर को वाटिका में चलते सुना, तो आदम और हव्वा डरकर पेड़ों के बीच छिप गए। पहले वे उसकी उपस्थिति से आनन्दित होते थे; अब वे भयभीत थे।



# परमेश्वर ने आदम को पुकारा

परमेश्वर ने पुकारा, 'तू कहाँ है?' आदम ने कहा कि वह नग्न होने के कारण डर गया और छिप गया। परमेश्वर ने उससे पूछा कि क्या उसने उस मना किए हुए वृक्ष का फल खाया है।



# उन्होंने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की

आदम ने हव्वा को दोष दिया और हव्वा ने कहा कि सर्प ने उसे बहकाया। दोनों ने जो हुआ वह बताया, पर किसी ने सरलता से अपनी ही गलत पसंद को पहले स्वीकार नहीं किया।

---



# परिणाम आएँगे

परमेश्वर ने कहा कि सर्प अपमानित होगा और स्त्री का एक वंशज उस पर विजय पाएगा। अब दुख, परिश्रम और कठिनाइयाँ भी होंगी। भूमि काँटे उगाएगी और एक दिन आदम और हव्वा फिर मिट्टी में लौटेंगे। फिर भी परमेश्वर ने उन्हें आशा की प्रतिज्ञा दी।



# परमेश्वर ने उन्हें वस्त्र दिए

आदम ने अपनी पत्नी का नाम हव्वा रखा, क्योंकि वह सब जीवित मनुष्यों की माता होगी। परमेश्वर ने आदम और हव्वा के लिए चमड़े के वस्त्र बनाए और उन्हें पहना दिए। उस दुखद समय में भी वह उनकी देखभाल करता रहा।



# वे वाटिका से बाहर गए

ताकि वे जीवन के वृक्ष का फल खाकर इस अवस्था में सदा न जीएँ, परमेश्वर ने उन्हें अदन से बाहर भेज दिया। वहाँ वे उस भूमि पर काम करेंगे जिससे आदम बनाया गया था।



# मार्ग की रक्षा की गई

परमेश्वर ने वाटिका के पूर्व में करूबों और घूमती हुई ज्वालामय तलवार को जीवन के वृक्ष के मार्ग की रक्षा के लिए रखा। आदम और हव्वा ने अदन के बाहर नया जीवन शुरू किया, उस आशा को थामे हुए जो परमेश्वर ने दी थी।